सेवा संकल्प अभियान ‘कार्यक्रम

बड़वाह। समिपस्थ ग्राम किठूद के शासकीय माध्यमिक विद्यालय मे म.प्र.शासन लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार शनिवार को विद्यालय स्तर पर ‘सेवा संकल्प अभियान ‘कार्यक्रम में मंडल प्रभारी अरविंद जोशी,के मुख्य आतिथ्य तथा विशेष अतिथि के रुप में यशवंत चोयल किठूद ने सर्वप्रथम मां सरस्वती व मां भारतीय के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदीजी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर 17अक्टूबर तक पूरे माह ‘विकसित भारत ‘ विषय पर समस्त संस्थाओ में कार्यक्रम होंगे।अपने उद्बोधन में श्री जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को विद्यालय की गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए तथा सेवा संकल्प के तहत वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान,योग ध्यान, नशामुक्त भारत जागरुकता, सड़क यातायात के नियमों का पालन,फिट इंडिया,एक पेड़ मां के नाम जैसें कार्यक्रमो के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र की सेवा में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करना है।शाला के प्रधान पाठक जितेन्द्र सिंह परिहार ने शिक्षाविभागिय योजनाओं, गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।इस अवसर पर विकसित भारत विषय पर विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता मे भाग लिया,इसी विषय पर समस्त विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया।बनाए चित्रो का अवलोकन उपस्थितजनो के द्वारा किया गया ,और बच्चों की प्रतिभा को सराहा।इस अवसर पर शिक्षक संतोष सालवी, कृष्णा सालवी,सुनिल खांडेकर, शोभाराम सोलंकी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में समस्त उपस्थितजनो का आभार शिक्षक हेमंत तोमर ने ज्ञापित किया।

‘वंदे मातरम्’ के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक

भीकनगांव पियूष अग्रवाल। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर भीकनगांव में राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में आगामी आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों की सहभागिता तथा विभिन्न गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समिति पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को भव्य, अनुशासित एवं राष्ट्रभावना से ओतप्रोत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर भी जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा हुई। बैठक में संरक्षक श्रीकृष्ण अग्रवाल, संरक्षक रमेशचंद्र गंगराड़े, अध्यक्ष दिनेश महावर, उपाध्यक्ष अरविंद जायसवाल, कोषाध्यक्ष कृष्णकांत गुप्ता, सचिव हिमांशु अत्रे एवं सह-सचिव अंकित मालीवाल सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि ‘वंदे मातरम’ देशभक्ति, राष्ट्रगौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना का प्रतीक है। इसके 150 वर्ष पूर्ण होने का अवसर विद्यार्थियों और समाज में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

पात्र गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल का जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

बड़वाह। श्री देवी रुक्मणी पब्लिक स्कूल, खरगोन में आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगितामें पात्र गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, बड़वाह के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंडर-17 बालक वर्ग में तृतीय स्थानप्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में जिले के लगभग 22 विद्यालयों की टीमों ने अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग में भाग लिया। विशेष उपलब्धि यह रही कि बड़वाह तहसील से क्वालीफायर राउंड तक पहुँचने वाली एकमात्र टीम पात्र गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल की रही। कड़े मुकाबलों के बीच विद्यालय के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता, अनुशासन और रणनीतिक खेल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

अंडर-17 बालक वर्ग में कार्तिक गुर्जर, आशुतोष पांडे, अमन मालवीय, जुनैद पठान, जय डिडेल, हारिश तंवर एवं अभिषेक डोड ने अपने शानदार खेल प्रदर्शन से प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया, जो विद्यालय एवं बड़वाह क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों ने संस्था के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट हेड श्री अमजद खान एवं कबड्डी कोच श्री अजय कोठे के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण में प्रतियोगिता की तैयारी की। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिला स्तर की इतनी प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन यह दर्शाता है कि विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस उपलब्धि पर संचालक द्वय श्री प्रवीण पारख एवं श्रीमती किरण पारख, अकादमिक डायरेक्टर श्री आदित्य पारख एवं श्रीमती समीक्षा पारख, प्राचार्य श्री पुरुषोत्तम राव येले, उपप्राचार्य द्वय श्री योगेन्द्र मंडलोई एवं श्री दीपक सक्सेना, पी.आर.ओ. श्री क्षितिज दुबे, स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट हेड श्री अमजद खान एवं कबड्डी कोच श्री अजय कोठे सहित समस्त पात्र गुरुकुल परिवार ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने आश्वस्त किया कि विद्यार्थियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए हर संभव अवसर, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शनप्रदान किया जाता रहेगा। पात्र गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल का विश्वास है कि जीत केवल पदक तक सीमित नहीं होती, बल्कि प्रत्येक प्रतियोगिता विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, धैर्य, टीम भावना और रणनीतिक सोच का विकास करती है। यही मूल्य भविष्य के विजेताओं का निर्माण करते हैं।

प्रशासनिक दावों की खुली पोल : झाबुआ के खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की तस्वीर आई सामने, सड़क पर लोगों के सहारे रेंगती दिखी आपातकालीन सेवा

‘संजीवनी’ खुद वेंटिलेटर पर..!

खवासा में मरीजों की जिंदगी ढोने वाली एम्बुलेंस को लगानी पड़ी ‘धक्के’ की बैसाखी

झाबुआ। दावे बड़े-बड़े, योजनाएं लंबी-चौड़ी और बजट भारी-भरकम..लेकिन जब बात जमीनी हकीकत की आती है, तो सरकारी व्यवस्थाएं किस तरह हांफने लगती हैं, इसकी एक बानोगी झाबुआ जिले के खवासा से सामने आई है। जिस एम्बुलेंस का काम सायरन बजाते हुए किसी मरीज की जान बचाना है, आज उसी एम्बुलेंस की खुद की सांसें उखड़ी हुई नजर आईं। आज यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। जो विभाग की पोल खोल रहा था।

खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के बाहर की एक तस्वीर ने स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलकर रख दी है। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि आपातकालीन सेवा के लिए तैनात एम्बुलेंस स्टार्ट न होने पर कुछ आम नागरिकों को उसे पीछे से धक्का लगाना पड़ रहा है।

बड़े सवाल जो व्यवस्था को में खड़े करते हैं- एक-एक मिनट कीमती होता है,आपातकालीन स्थिति में जब मरीज की सांसें और समय एक तराजू में होते हैं, तब यदि वाहन को ही स्टार्ट होने के लिए चार लोगों के धक्कों की जरूरत पड़े, तो मरीज की जिंदगी का भगवान ही मालिक है।

मेंटेनेंस के बजट का होता क्या है- हर साल वाहनों के रखरखाव, डीजल और स्पेयर पार्ट्स के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, फिर भी ऐसी जर्जर एम्बुलेंस सड़कों पर क्यों दौड़ाई जा रही हैं.?

जिम्मेदारी किसकी.?

क्या स्वास्थ्य विभाग किसी बड़े हादसे या जनहानि का इंतजार कर रहा है, तभी इन लापरवाहियों पर नींद खुलेगी.?

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं पर मंडराता खतरा- खवासा जैसे ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ही ग्रामीणों का एकमात्र सहारा होते हैं। रात-बेरात किसी गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा हो, सड़क हादसे का कोई गंभीर घायल हो या कोई अन्य इमरजेंसी, ऐसे में एम्बुलेंस ही एकमात्र आस होती है। लेकिन जब वही ‘आस’ खुद लाचार नजर आए, तो ग्रामीण खुद को भगवान भरोसे ही महसूस करेंगे। अब देखना यह होगा कि इस वायरल तस्वीर और सनसनीखेज खुलासे के बाद जिम्मेदार अधिकारी क्या कार्रवाई करते हैं, या फिर मामला हमेशा की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है.?

बगदाद शरीफ की जियारत के लिए रवाना हुए पांच यात्री

मक्सी। बगदाद शरीफ एवं कर्बला के मुकद्दस मकामात की जियारत के लिए मक्सी सहित विभिन्न स्थानों से पांच यात्री 10 दिवसीय धार्मिक सफर पर रवाना हुए। यात्रियों ने इंदौर एयरपोर्ट से हवाई जहाज के माध्यम से मुंबई के लिए उड़ान भरी, जहां से वे इराक के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनके परिजन, रिश्तेदार एवं परिचित उन्हें विदाई देने के लिए इंदौर एयरपोर्ट पहुंचे। इस धार्मिक सफर में मक्सी निवासी शहजाद बी सहित अन्य स्थानों से कल्लो बी, शहनाज बी और भादर पटेल सहित पांच यात्री शामिल हैं। यात्रा के दौरान यात्री बगदाद शरीफ पहुंचकर हजरत गौस-ए-आजम, हजरत अब्दुल कादिर जिलानी रहमतुल्लाह अलैह से जुड़े मुकद्दस मकामात की जियारत करेंगे। इसके पश्चात कर्बला शरीफ पहुंचकर इमाम हुसैन रजि. एवं अहले बैत से जुड़े पवित्र मकामात पर हाजिरी पेश करेंगे। यात्रियों के इस सफर को लेकर परिजनों एवं परिचितों में खासा उत्साह नजर आया। इंदौर एयरपोर्ट पर यात्रियों को विदाई देने के लिए याकूब पठान, इकराम शेख, निजाम शेख, कासिम पटेल, इरफान पटेल, शहीद खान, रईस खान, पप्पू खान और समीर पटेल सहित बड़ी संख्या में रिश्तेदार एवं परिचित मौजूद रहे। सभी ने यात्रियों को मुबारकबाद देते हुए उनके सुरक्षित सफर और कुशल वापसी के लिए दुआ की। यात्रियों ने बताया कि इराक प्रवास के दौरान वे विभिन्न मुकद्दस मकामात की जियारत कर देश में अमन-चैन, खुशहाली, भाईचारे और आपसी सौहार्द के लिए विशेष दुआएं करेंगे। साथ ही परिवार, समाज एवं क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली की भी दुआ की जाएगी। बताया गया कि सभी पांच यात्री करीब 10 दिनों तक इराक में रहेंगे। इस दौरान वे बगदाद शरीफ, कर्बला शरीफ सहित अन्य धार्मिक एवं ऐतिहासिक मुकद्दस मकामात की जियारत करेंगे। यात्रा पूर्ण होने के बाद सभी यात्री सकुशल भारत लौटेंगे।

प्रमिला रुनवाल को मरणोपरांत ‘तपस्वी-रत्ना’ की उपाधि

झाबुआ। स्थानीय जैन श्वेतांबर तीर्थ श्री ऋषभदेव बावन जिनालय श्री संघ की वरिष्ठ सुश्राविका, नियमित सामायिक-प्रतिक्रमण, नवकार आराधिका और वैयावच्च के प्रति समर्पित रहीं वर्षीतप तपस्वी स्व.श्रीमती प्रमिला नवीनजी रुनवाल के आत्मश्रेयार्थ एक भव्य भावांजलि सभा का आयोजन किया गया। उनके उत्कृष्ट तपमय, धर्मनिष्ठ और सेवाभावी जीवन को स्मरण करते हुए उन्हें मरणोपरांत ‘तपस्वी-रत्ना’ की अलंकृत उपाधि से सम्मानित किया गया।

साधना और सेवा का प्रेरणादायी जीवन- स्व.श्रीमती प्रमिला रुनवाल ने अपने 61 वर्ष के यशस्वी जीवनकाल में नियमित प्रभु पूजा, जिनवाणी श्रवण, सामायिक-प्रतिक्रमण, तपस्या, नवकार मंत्र आराधना, जीवदया और वैयावच्च जैसे अनेक धार्मिक व सामाजिक सेवा कार्यों में अमूल्य योगदान दिया। उनके इसी त्याग और तप को नमन करते हुए श्री संघ झाबुआ द्वारा यह सम्मान उनके परिवारजनों को प्रदान किया गया।

साध्वीवृंद की पावन निश्रा में गूंजे धर्म के विचार- रिंकु रूनवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वर जी म.सा. व आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय जयरत्न सूरीश्वर जी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी तथा विदुषी साध्वी श्री अविचलदृष्टा श्री जी म.सा. आदि ठाणा-7 की पावन निश्रा में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी श्री अविचलदृष्टा श्री जी म.सा. ने कहा कि दुर्लभ मनुष्य भव में सरलता, धर्ममय जीवन और तप-साधना के साथ वैयावच्च कार्य करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। उन्होंने कहा कि स्व. प्रमिला जी ने न केवल स्वयं धर्म के मार्ग पर साधना की, बल्कि अपने पूरे परिवार और विशेषकर अपने पौत्र-पौत्रियों को भी धार्मिक संस्कारों से जोड़ा। उनका जीवन समाज के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

अर्पित की श्रद्धांजलि- इस भावपूर्ण सभा में जैन श्वेतांबर श्री संघ के अध्यक्ष संजय मेहता, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष प्रदीप रूनवाल, श्री तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष मितेश गादिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेजप्रकाश कोठारी, समाजसेवी यशवंत भण्डारी, व्यापारी संघ के अध्यक्ष पंकज जैन मोगरा, श्रीमती चेतना सराफ बदनावर और पूजा भण्डारी करवड़ सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इसके साथ ही परिवार से अंकिता, कविता, शीतल, क्रिश, स्पर्श, युग, नेविक, चाहत एवं मिष्टी ने भी अपने हृदय के भाव व्यक्त कर नम आँखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरा आयोजन स्थल स्व. रुनवाल के तप, त्याग और संस्कारों की स्मृतियों से श्रद्धामय बना रहा।

‘आओ बनाएं अपने श्री गणेश’ जन अभियान के तहत माटी गणेश, सिद्ध गणेश का संदेश

कुक्षी में विद्यार्थियों को दिया गया मिट्टी के गणेश प्रतिमा निर्माण का प्रशिक्षण

ईफराज कुरैशी, कुक्षी। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से *मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में* सरदार वल्लभ भाई पटेल महाविद्यालय, कुक्षी ब्राइट पब्लिक स्कूल व सेक्टर स्तरीय प्रा.वि. भत्यारी ग्राम मा.शा.लोगसरी,डेहरी,आली, सांदिपनी विघालय कुक्षी में विद्यार्थियों के लिए ‘आओ बनाएं अपने हाथों अपने श्री गणेश - माटी गणेश, सिद्ध गणेश’ विषय पर मिट्टी के गणेश प्रतिमा निर्माण का प्रायोगिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अपने हाथों से मिट्टी के गणेश जी बनाने की कला का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वयं मिट्टी को आकार देकर गणेश जी की सुंदर प्रतिमाएं तैयार कीं।

मिट्टी के गणेश पर्यावरण के लिए अनुकूल- प्रशिक्षण के दौरान नर्मदा समग्र मालवा-निमाड़ सहायक संभाग समन्वयक श्री राजेश जादम ने विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की पूरी प्रक्रिया का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाएं पर्यावरण एवं जलजीवन के लिए अनुकूल होती हैं। गणेश उत्सव के दौरान पीओपी तथा रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाओं के विसर्जन से जलस्त्रोतों में प्रदूषण बढ़ता है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव जलजीवों और पर्यावरण पर पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मिट्टी का चयन, मिट्टी को तैयार करना, प्रतिमा का प्रारंभिक ढांचा बनाना, मिट्टी को आकार देना तथा प्रतिमा को आकर्षक स्वरूप प्रदान करने की विभिन्न विधियों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं मिट्टी के गणेश बनाएं और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी मिट्टी के गणेश स्थापित करने के लिए प्रेरित करें।

गणेश उत्सव आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी पर्व बने- मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक मनीष शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गणेश उत्सव हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इसे पर्यावरण संरक्षण के साथ मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मिट्टी के गणेश बनाने तथा पीओपी की प्रतिमाओं के स्थान पर प्राकृतिक मिट्टी की प्रतिमाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

नर्मदा एवं घाटों की स्वच्छता का दिया संदेश- कार्यक्रम में नर्मदा समग्र क्षेत्र टोली सदस्य अनुराग शर्मा एवं शैलेश पवार ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने माँ नर्मदा एवं नर्मदा के घाटों को स्वच्छ रखने का संदेश देते हुए कहा कि नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी जीवनदायिनी धरोहर है। नर्मदा को स्वच्छ एवं निर्मल रखना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नर्मदा सहित सभी जलस्त्रोतों में किसी भी प्रकार का कचरा न डालें तथा अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए जागरूक करें।

नर्मदा किनारे बलि प्रथा पर रोक का संदेश- कार्यक्रम के दौरान नर्मदा तट एवं आसपास के क्षेत्रों में बलि प्रथा पर रोक लगाने तथा जीवों के प्रति करुणा एवं संरक्षण की भावना विकसित करने का संदेश भी दिया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रकृति, पर्यावरण, जल एवं जीव-जंतुओं की रक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। नर्मदा तटों को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखना आवश्यक है।

विद्यार्थियों ने उत्साह से बनाई मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं- प्रशिक्षण में सरदार भाई पटेल महाविद्यालय, कुक्षी के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण के दौरान स्वयं अपने हाथों से मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमाएं बनाईं। इस दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने ‘आओ बनाएं अपने हाथों अपने श्री गणेश’ अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। गोबर से बने गणेश की मी जानकारी सभी के समक्ष प्रदर्शित की गई जो की शारदा गौ शाला द्वारा निर्मित की जानकारी दी महाविद्यालय से प्राचार्य मीरा जी बघेल जी डा आर के चौहान, प्रो. विरेन्द्र सिंह सोलंकी, तडवाल सर, समस्त सदस्य सेक्टर मे जिसमें प्रियांशी डोडवे आशा एसके जमुना एसके अश्विनी डावर मनीषा रावत रानी विनीता रोशनी अंजना रावत लक्ष्मी रावत सूरज रावत शिक्षक भूरसिंह चौहान वंदना मंडलोई सतवंत रावत निर्मल जी पाटीदार, पुष्पा जी पाटीदार, धीरेन्द्र पाटीदार समस्त स्टाफ, योगेश चोयल,चन्दर त्रिवेदी, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में ‘माटी गणेश–सिद्ध गणेश एवं ‘मिट्टी के गणेश–पर्यावरण की रक्षा’ की भावना को बढ़ावा देना रहा। साथ ही गणेश उत्सव को आस्था एवं श्रद्धा के साथ पर्यावरण हितैषी तरीके से मनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था मेटर्स एवं नर्मदा समग्र के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।